Nagpur Super Thermal Power Station

3472. **Shri Balkrishna Wasnik:** Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether the scheme for the Nagpur super thermal power station has been finalised;

(b if so, the capacity of the Power Station;

(c) the financial outlay involved; and

(d) when the work will commence?

The Minister of Irrigation and Power (Shri Fakhruddin Ahmed): The State Government have fardwarded a revised scheme report on the Nagpur Themal Power Station Project which is currently under examination by Central Water and Power Commission.

(b) The installed capacity of the Nagpur Power Station will be 490 MW.

(c) According to the revised estimates, the scheme involves a total capital outlay of Rs. 57.33 crores.

(d) Preliminary works have already commenced.

सरकारी भवन

3473. **श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि कुछ भवनों जैसे निर्माण भवन और सिंचाई तथा विद्युत् मंत्रालय वाल भवन के उद्घाटन पट्ट केवल अंग्रेजी में हैं;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर स्वीकारात्मक हो, तो क्या यह हिन्दी के प्रयोग के बारे में जारी किये गये आदेशों के विरुद्ध नहीं ह; और

(ग) यदि हां, तो इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मन्त्री (श्री मेहर चन्द खन्ना): (क) जी हां ।

(ख) जी नहीं । तथापि, इस समय जहां हिन्दी में शिलालेख नहीं हैं वहां हिन्दी में लगा दिये जायेंगे ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

हिन्दी में परिपत्रों आदि का जारी किया जाना

3474. **श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आयकर विभाग से सम्बन्धित स्थायी परिपत्रों, आदेशों, सूचनाओं (नोटिसों) आदि का हिन्दी रूपान्तर (उनके अंग्रेजी रूपान्तर के साथ) प्रकाशित करने की व्यवस्था कब हो जायेगी; और

(ख) अब तक यह व्यवस्था न किये जाने के क्या कारण हैं ?

वित्त मन्त्री (श्री शचीन्द्र चौधरी) : (क) और (ख). सूचना इकट्ठी की जा रही है, और सदन की मेज पर रख दी जायगी ।

सरकारी मुद्रणालयों में हिन्दी के काम की छपाई

3475. **श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार के मुद्रणालय इस स्थिति में हैं कि वे विभिन्न मंत्रालयों से प्राप्त होने वाला हिन्दी की छपाई का पूरा काम कर सकें;

(ख) क्या गत वर्ष कुछ ऐसे अवसर आये जब सरकारी प्रेसों द्वारा हिन्दी की छपाई का काम यह कह कर लौटाया गया हो कि वे उस काम को कर सकने की स्थिति में नहीं हैं; और